शिखर 4

पाठ 12. अनारको की दुनिया के सात अजूबे

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को अनारको की दुनिया के सात अजूबों से अवगत कराना है। दुनिया की कोई भी वह वस्तु अजूबा हो सकती है जो अपने गुणों के कारण प्रसिद्धि पाती है।

पाठ का सारांश

दोपहर एक बजे का समय था। कक्षा में सामान्य ज्ञान की परीक्षा चल रही थी। प्रश्न पत्र में पाँचवें प्रश्न में पूछा गया था कि दुनिया के सात अजूबों के बारे में लिखिए।

अनारको सोचने लगी कि कौन-सी दुनिया की बात की गई है, यह तो स्पष्ट नहीं है। उसने सोचा कि वह अपनी दुनिया के अजूबों के बारे में लिखेगी जिन्हें वह देखती है तो देखती ही रह जाती है।

अनारको की दुनिया का पहला अजूबा पगड़ी है। जो धूप, बारिश और ठंड से बचाती है। दूसरा अजूबा माचिस है। अनारको ने इसकी तीलियों को सिपाही कहा है। तीसरा अजूबा घड़ा है जो गर्मी के मौसम में पानी को ठंडा रखता है। चौथा और पाँचवाँ अजूबा साइकिल और किताब है तथा छठा और सातवाँ अजूबा प्रेशर कुकर और पेंसिल है। एक पेंसिल से लगभग 35 किलोमीटर लंबी रेखा खींची जा सकती है।

अध्यापन संकेत

पाठ का वाचन कराते हुए बच्चों को दुनिया के सात अजूबों के बारे में जानकारी दें।
बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–

- उन्हें अनारको के सात अजूबे कैसे लगे?
- उन्हें अनारको की दुनिया के सात अजूबों में से सबसे अच्छा अजूबा कौन-सा लगा?
- उनसे पूछें कि उनकी दुनिया के सात अजूबे कौन-से हैं?
- पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।

दो बूँद ज़िंदगी की (केवल पढ़ने के लिए)

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।